डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 12 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 19 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

पेड़ से लटका युवक, मौत

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर से लगते लालघाटी इलाके में 40 वर्षीय युवक ने खेत किनारे खड़े पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बड़े अस्पताल भिजवाया। इधर यह भी चर्चा चल रही थी कि मृतक के पास से सुसाईड नोट मिला है। लेकिन, इसकी पुष्टी नहीं हो पाई थी।

यशोधर्मन नगर थाना टीआई संदीप मंगोलिया ने बताया कि लालघाटी क्षेत्र में खेत पर लगे पेड़ पर लटककर फांसी लगाने वाले युवक की पहचान लाल सिंह पिता भवर सिंह राजपूत उम्र 40 साल निवासी उड़ी थाना हाटपिपलिया जिला रतलाम के रूप में हुई है। वर्तमान में युवक मंदसौर के इंदिरा कॉलोनी में अपने पत्नी और बच्चों के साथ रहकर मजदूरी करता था। शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या की बात सामने आई है। बहरहाल पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज किया है। पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों को तलाश रही है।

अर्धवार्षिक परीक्षा को लेकर असमंजस..?

चुनाव में 70 फीसदी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई, नपा के साथ कृषि विभाग के कर्मचारी भी चुनावों में व्यस्त

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी तंत्र में अमले की कमी के चलते इस बार भी विधानसभा चुनाव में शिक्षकों की ड्यूटी ज्यादा लगाने की तैयारी है। चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन विभाग कर्मचारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। इनमें 70 फीसदी संख्या शिक्षकों की है। चूंकि इस साल नवंबर के दूसरे सप्ताह में अर्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू होना है। ऐसे में शिक्षकों के लिए निर्वाचन कार्य एवं परीक्षा के बीच तालमेल बैठाना मुश्किल होगा। कई विभाग ऐसे हैं, जिनमें 95 फीसदी कर्मचारियों की चुनाव कार्य में ड्यूटी लगा दी गई है। जिला निर्वाचन विभाग द्वारा जहां कुछ विभागों के सभी कर्मचारियों की चुनाव ड्यूटी लगा दी गई है। कई विभाग से सिर्फ 2-3 कर्मचारी की ड्यूटी लगाई है। इनमें वे विभाग शामिल हैं जहां पहले से कर्मचारियों की संख्या कम हुई है। अन्य विभाग जिनमें कर्मचारी बड़ी संख्या में पदस्थ हैं, वहां आधे से अधिक स्टॉफ को चुनाव कार्य में लगाया है। बताया गया है कि नपा और कृषि विभाग के साथ बैंक सहित कई विभागों के कर्मचारी चुनावों में व्यस्त रहेगे। जिसके कारण जनता और किसानों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

नवंबर में होना हैं अर्धवार्षिक परीक्षाएं...

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूलों में नवंबर में अर्धवार्षिक परीक्षा कराना है। नवंबर में ही विधानसभा चुनाव होना है। निर्वाचन में ज्यादातर शिक्षकों की ड्यूटी लगने से परीक्षाएं एवं चुनाव एक साथ कराने को लेकर असमंजस की स्थिति है। शिक्षा विभाग की मानें तो अर्धवार्षिक परीक्षाएं नवंबर में शुरू होती हैं। लेकिन, नंवबर में ही चुनाव हैं। इसलिए परीक्षाओं में फेरबदल किया जा सकता है। इधर, निर्वाचन के लिए प्रशिक्षण की शुरूआत होने से स्कूलों से शिक्षक नदारद नजर आ रहे हैं।

ड्यूटी निरस्त कराने लगा रहे आवेदन...

विधानसभा चुनाव संपन्न कराए जाने के लिए दस हजार से अधिक कर्मचारियों को निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लेकिन, चुनाव ड्यूटी से बचने के लिए सरकारी कर्मचारी अभी से बीमार होने का प्रमाण-पत्र लेकर ड्यूटी निरस्त कराने का आवेदन लगा रहे हैं। जबकि, उक्त कर्मचारी ड्यूटी पर रोजाना अपने विभागों में जा रहे हैं। बताया गया है कि चुनाव के पहले ही ड्यूटी निरस्त करने को लेकर अभी तक सैकड़ों आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें मेडिकल बोर्ड से प्रमाणित होने के बाद ही कर्मचारियों की चुनाव ड्यूटी निरस्त की जा रही है।

ड्यूटी से फसल कटाई प्रयोग भी प्रभावित...

निर्वाचन कार्य में कृषि विभाग एवं राजस्व अमले के पटवारियों की ड्यूटी लग जाने से खेतों में होने वाले फसल कटाई प्रयोग का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। बताया गया है कि फसल कटाई प्रयोग के आधार पर ही फसल बीमा योजना का लाभ किसानों को मिलता है। रेण्डम आधार पर यह कटाई प्रयोग खेतों में पटवारी एवं कृषि विस्तार अधिकारियों से किए जाते हैं। लेकिन पटवारियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की चुनाव ड्यूटी के कारण फसल कटाई प्रयोग का काम भी अधर में लटक गया है।

इनका कहना...

शिक्षकों की चुनाव में ड्यूटी लगी है। नवंबर में अर्धवार्षिक परीक्षा भी होना है। लेकिन, चुनाव से परीक्षा प्रभावित नहीं होगी। टाईम टेबल सेट करके सामंजस्य बैठा लिया जाएगा।

–लोकेंद्र डाबी, डीपीसी, मंदसौर

सेंट थॉमस स्कूल में जय श्री राम के जयकारे को लेकर विवाद

विहिप नेताओं ने स्कूल पहुंचकर प्रबंधन से की शिकायत, कार्यवाही की मांग

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के सेंट थॉमस स्कूल में कुछ विद्यार्थियो द्वारा जय श्री राम के जयकारे लगाए जाने को लेकर विवाद हो गया। यहां एक वर्ग विशेष के छात्र ने जयकारे लगाने वाले छात्रों को धमकाया। महत्वपूर्ण बात यह है कि विवाद की जानकारी स्कूल प्रबंधन को नहीं लगी। इसके बाद विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी स्कूल पहुंचे। यहां लिखित में शिकायत दर्ज कराई। स्कूल प्रबंधन ने छात्र पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इधर सूचना मिलने पर पुलिस भी स्कूल पहुंची।

मिली जानकारी के अनुसार दो तीन दिन पहले स्कूल में खेल संबंधित कोई आयोजन था। इसमें उत्साहित होकर कुछ बच्चों ने जय श्री राम के जयकारे लगा दिए। विहिप के पदाधिकारियों ने बताया कि जयकारे लगाने के बाद एक समीर नाम के छात्र ने अन्य छात्रों को धमकाया। विहिप ने यह भी आरोप लगाया कि समीर जैसे अन्य छात्र 20-21 साल के हैं। कई बार फैल होने के बाद भी स्कूल में ही पढ़ रहे हैं। जबकि, वे अपने से कम उम्र वाले छात्रों को धमकाते है। इस संबंध में स्कूल प्रबंधन को शिकायत की है। इस मामले में स्कूल पीआरओ श्रीमती संगीता रावत ने बताया कि इसकी जानकारी छात्रों ने हमें नहीं दी। बाद में पता चलने पर दोनों पक्षों के छात्रों के अभिभावको को बुलाया गया। श्रीमती रावत ने बताया कि विहिप ने शिकायत की है। छात्र पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस ने इस मामले में कहा कि कुछ मिस अंडस्टेंडिंग छात्रों के बीच हो गई थी। अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वसीम को स्मैक देने वाला शफी भी धराया, 12 ग्राम स्मैक मिली

विभिन्न थानो में दर्ज है एनडीपीएस एक्ट के 7 प्रकरण

भानपुरा, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भैसोदामंडी चौकी पुलिस ने मंगलवार को एक लाख रूपए कीमती 10 ग्राम स्मैक के साथ एक दिन पहले मालीपुरा के वसीम को गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ में बताया कि वह अफीम भवानी मंडी राजस्थान के शफी से लाया था। जिसके बाद पुलिस ने शफी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके पास से सवा लाख रूपए कीमती 12 ग्राम स्मैक भी जब्त की गई है। आरोपी वसीम के विरूद्ध एमपी व राजस्थान के विभिन्न थानो में एनडीपीएस एक्ट के 7 प्रकरण दर्ज है।

पुलिस ने बताया कि एक दिन पहले मुखबीर सूचना पर दबिश देकर वसीम पिता रफीक पठान उम्र 24साल निवासी मालीपुरा को गिरफ्तार किया था। न्यायालय से रिमांड लेकर वसीम से पूछताछ की गई। जिसमें इसने बताया कि स्मैक शफी मोहम्मद पिता सिराज मोहम्मद निवासी भवानी मंडी जिला झालावाड़ से लेकर आया था। पुलिस ने भवानी मंडी दबिश देकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके पास से करीब सवा लाख रुपए की स्मैक मिली है। पुलिस के मुताबिक शफी के खिलाफ राजस्थान के चित्तौडगढ़, भवानीमंडी और भानपुरा में एनडीपीएस एक्ट के करीब सात प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा आबकारी एक्ट के मामले भी इसके खिलाफ थाने में दर्ज है।

भाजपा में मंथन जारी किसको दे टिकट...

नए चेहरे की तलाश जो पूर्व मंत्री को टक्कर दे सके

दिनेश प्रजापति

गरोठ, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के साथ ही भाजपा-कांग्रेस दोनों मुख्य दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा लगभग कर दी है। गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस से सुभाष सोजतिया का टिकट फाइनल माना जा रहा है तो भाजपा में मंथन का दौर जारी है। बात करें गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र की तो यहां भाजपा में विधायक पद की दावेदारी करने में आधा दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार मैदान में है। लेकिन, पिछली बार मात्र 2000 वोट से भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इस बार जनता का रुख देखते हुए पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने हाईकमान को पत्र लिखकर चुनाव न लड़ने की बात कही है।

अब भाजपा आलाकमान को गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र से नया चेहरा चाहिए, जो सीट निकाल सके। जानकारो की माने तो इस बार क्षेत्र में कांग्रेस की हालत मजबूत दिखाई दे रही है। क्योंकि, भाजपा के नए चेहरे ने कांग्रेस के सुभाष सोजतिया को हर बार पटखनी दी है। वैसे भी विधानसभा चुनाव कोई पार्षद या जनपद का चुनाव नहीं है कि हर कोई टिकट की मांग करें और उसे टिकट दे दिया जाए। भाजपा के लिए प्रदेश में एक-एक सीट मायने रखती है। अगर सही उम्मीदवार को टिकट नहीं मिला तो यह सीट भाजपा के पाले से कांग्रेस की झोली में जा सकती है। यही कारण है कि भाजपा में गहन मंथन का दौर चल रहा है। वैसे भाजपा में ईतने नेता टिकट की मांग कर रहे हैं कि आलाकमान भी सोचने पर मजबूर है कि किसे टिकट दिया जाए और किसे नहीं। वैसे क्षेत्र और बाजारों में जन चर्चा जोरों पर है कि भाजपा को अभी तक कोई ऐसा उम्मीदवार नजर नहीं आ रहा है जो गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र की सीट को निकाल सके।

भाजपा के लिए गरोठ भानपुरा विधानसभा सीट निकालना आसान नहीं है। क्योंकि सभी दावेदारों को संतुष्ट करना भाजपा में इतना आसान नहीं रहेगा। पूर्व विधायक राजेश यादव के देहांत के बाद हुए उपचुनाव में चंदरसिंह सिसोदिया को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया था। वही बाकी उम्मीदवारों को जिन मे देवीलाल धाकड को भाजपा जिला अध्यक्ष बनाया गया था तथा विनीत राजेश यादव को भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज से बातचीत का ऑडियो वायरल करने के कारण राजेश चौधरी को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया गया था।

बात करें वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव की तो देवीलाल धाकड़ को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया और चंदरसिंह सिसोदिया को भाजपा जिला अध्यक्ष बनाया। लेकिन राजेश चौधरी पार्षद बनकर रह गए। पार्टी ने इनको नगर परिषद अध्यक्ष भी नहीं बनाया। अब देखना यह होगा कि भाजपा इस विधानसभा चुनाव में किस पर अपना दांव आजमाती है। वैसे भाजपा के सभी नेता दावेदारी कर रहे हैं कि इस बार टिकट हमको ही मिलेगा।

लापरवाही–शहर में अनेक स्थानों पर नगरपालिका सफाई अमले द्वारा कचरा इकट्ठा कर आग लगा दी जाती है। जिससे उठने वाले धुंएं से जन स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता है। साथ ही धुंए से निकली चिंगारियां कभी भी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। चित्र शहर के नाकोड़ा नगर क्षेत्र का है।

अवैध शराब बनाने वालों पर मनासा पुलिस ने कसा शिकंजा

18 लीटर देशी प्लेन शराब जप्त, 1200 लीटर महुआ लहान नष्ट किया

मनासा, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस द्वारा अवैध कच्ची शराब बनाने वाले स्थानो पर दबीश देकर ग्राम बरडिया के जंगल कांकड में 1200 लीटर महुआ लहान नष्ट की। एक अन्य स्थान से मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी गोपाल पिता बंशीलाल मालवीय बांछडा उम्र 59 साल नि. बर्डिया के कब्जे से देशी प्लेन शराब कुल 18 लीटर किमती 9000 रू जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया है।

तालाब में मिले महिला के शव की शिनाख्त हुई

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को तालाब में मिले महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। अब पुलिस महिला की मौत के कारण तलाश रही है।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि मृतिका की शिनाख्त अनीता पति सुरेश जैन उम्र 28 साल निवासी कैलाश मार्ग मंदसौर के रूप में हुई है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता लगा है कि मृतिका विक्षिप्त थी, इसके एक 14 साल का बेटा और बेटी है। पति की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। ऐसे में मृतिका की मौत के बारे में पुलिस को अभी कोई सुराग नहीं लग पाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रहीं है।

कांग्रेस के लिए बेहतर साबित होगा युवा नेतृत्व...

मनजीतसिंह टूटेजा बने जिला कांग्रेस अध्यक्ष

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एक तरफ कमलनाथ के प्रिय होने के कारण विपिन जैन पहले जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए थे। युवा थे, उम्मीद भी थी। उन्होंने जब जिला कार्यकारिणी आधे हजार के लगभग बनाकर प्रदेश में रिकॉर्ड बना दिया था। तभी लगने लगा था कि विपिन जैन जैसे युवा कांग्रेस का उद्धार कर पाएंगे। चार विधानसभा वाले क्षेत्र में जंबो कार्यकारिणी को स्वीकारना कांग्रेस को मजबूत करने जैसा प्रयोग था। चुनावी वर्ष है, इसलिए किसी ने भी विरोध इसलिए नहीं किया कि काम और सहयोग सभी से लेना है। अब विपिन जैन ही प्रत्याशी बन गए हैं तो जिले भर के पदाधिकारी जिनको विपिन जैन ने पदो से नवाजा हैं, सभी को काम पर लगाना ही पड़ेगा, लगेंगे भी। पर इसी बीच प्रदेश संगठन ने विपिन जैन के प्रतिद्वंद्वी रहे मनजीत सिंह टुटेजा को जिला कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया। मनजीत के मनोनयन की सूचना मिलने पर जहां बड़ी संख्या में कांग्रेसी उन्हें बधाई देने उनके संस्थान एमएस कंसलटेन्सी पहुंचे, वहीं कई कांग्रेसी कोप भवन में पहुंच गए।

नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ती प्रदेश संगठन को इसलिए करना पड़ी कि विपिन जैन को प्रत्याशी घोषित करने के बाद जिला कांग्रेस चलाने के लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा था। इसी के बाद कांग्रेस महकमें में चर्चाओं का दौर चल पड़ा। यह भी माना जा रहा है कि विपिन जैन को कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की पसंद के कारण प्रत्याशी बनाया गया था। यह भी सही है कि जब विपिन जैन को अध्यक्ष बनाया गया तब विपिन जैन और मनजीत टुटेजा को ही प्रतिस्पर्धी माना जा रहा था। लेकिन, उस समय कुछ विघ्न संतोषी कांग्रेसियों ने मनजीत के निजी मामलों को सार्वजनिक कर अध्यक्ष बनाने का विरोध भी किया था।

आज परिस्थिति उलट है, विपिन जैन को विधानसभा चुनाव लड़ना है और ऐसे में जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालना असंभव सा हो जाता है। कुल मिलाकर युवा जिला अध्यक्ष कांग्रेस के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। किन्तु, कांग्रेस की राजनीति में यह सर्वविदित है कि एक दूसरे की टांग खींचने वाली प्रवृत्ति हावी रहती है। ऐसे में संभव है कि मनजीत सिंह का भी कांग्रेसी ही विरोध करने पर उतर आए। लेकिन, यह वक्त और मांग शाश्वत है कि युवा नेतृत्व ही किसी संगठन के लिए हितकारी साबित होता आया है।

बड़े नेताओं के मजाक ने कांग्रेस को सत्ता से दूर धकेला..!

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस के प्रादेशिक नेताओं में अगर शीर्ष नेताओं का नाम दिया जाए तो अब सिर्फ कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के नाम ही जबान पर आते हैं और वास्तव में है भी। मध्य प्रदेश में विधायक प्रत्याशियों के नाम की घोषणा के दौरान सार्वजनिक शर्म के परदे की आड़ में आपस में मंच साझा करते हुए कमलनाथ का यह कहना कि कपड़े फाड़ना हो तो दिग्विजय सिंह को टारगेट करें। जवाब में दिग्विजय सिंह ने भी विनम्रता से उनके वाक्य को रिटर्न कर दिया था। इस सामंजस्य से भरे वातावरण में सोहाद्रता से वार- पलटवार में यह जाहिर हो गया कि प्रदेश कांग्रेस में गड़बड़ हो चुकी है। समय विधानसभा चुनाव का है और अभी एक तिहाई उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है। जिन 144 प्रत्याशियों की घोषणा हुई है, उसके बाद कई इलाकों में विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है।

चन्द्रमोहन भगत

यह भी साफ है कि वर्तमान के घोषित प्रत्याशियों में दिग्विजय सिंह के कुछ चहेतों को शहीद किया गया है। इसलिए इस मंचीय वार पलटवार को कमलनाथ और दिग्विजयसिंह की आपसी वार्तालाप में सीमित नहीं रखा जा सकता है। इसका सीधा संदर्भ कांग्रेस के प्रत्याशियों के बंटवारे में तलाशना पड़ेगा ! सतह पर अभी कुछ गंभीर नजर नहीं आ रहा है। क्योंकि, लंबे समय से देश और प्रदेश की राजनीति में अर्जुन सिंह के बाद से कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को एक माना जाता रहा है। इतना की अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से शुक्ला बंधुओ से लेकर माधवराव सिंधिया, सूरजभान सोलंकी, सुरेश सेठ, सुरेश पचौरी और अंत में ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे छत्रप नेताओं को किनारे करते गए और दोनों एक बने रहे। इनके बीच कभी मजाक में भी ऐसी तानाकशी वाली मजाक वह भी सार्वजनिक कल्पना के बाहर था!

लेकिन, जो दृश्य देखा और वार्तालाप सुना वह चुनावी युद्ध के बिगुल जैसा तो बिल्कुल नहीं था। इसीलिए अचरज हो रहा है। गोटेगांव से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रहे नर्मदा प्रसाद प्रजापति की जगह बीजेपी के पूर्व विधायक शेखर चौधरी को प्रत्याशी बनाना, उज्जैन उत्तर से विक्की यादव को नजरअंदाज करते हुए बगावत कर निर्दलीय लड़कर जमानत जप्त कराने वाली माया त्रिवेदी को प्रत्याशी बनाना, महिदपुर से दो बार कांग्रेस के वोट काटने वाले बागी दिनेश बोस को प्रत्याशी बनाना। इनके अलावा कांग्रेस ने अपने ही एक दर्जन से अधिक पूर्व बागियों को जो निर्दलीय चुनाव लड़ पहले कांग्रेस को हरवा चुके हैं, प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस में प्रदेश स्तर के दो ही छत्रप नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह बचे हैं। वर्तमान राजनीतिक तस्वीर में सुरेश पचौरी, अजय सिंह, अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया के पास कमलनाथ, दिग्विजय सिंह जैसे समर्थकों का अभाव है और ना ही इनका संगठन पर वर्चस्व है। ऐसे में अगर इन दोनों नेताओं का मंचीय वार्तालाप राजनीतिको में सुर्खियां बटोर गया तो कांग्रेस के पक्ष में बना चुनावी वातावरण सिमट जाएगा! स्पष्ट कह तो कांग्रेस को सत्ता से दूर धकेलने में यह वीडियो भाजपा को बहुत मदद पहुंचाने वाला हो सकता है।

विचार-मंथन

ओलंपिक में क्रिकेट, अब बैट बॉल के खेल में भी होगी गोल्ड मेडल की बौछार

क्रिकेट और फुटबाल दो ऐसे खेल है, जिनके प्रति दुनिया भर में दीवानगी देखी जाती है। फुटबाल पहले से ओलंपिक में शामिल है। इस तर्क से भी क्रिकेट को इसमें शामिल करने की मांग जायज थी। ये दोनों खेल अब केवल मनोरंजन का साधन और खिलाड़ियों के कौशल की परख के माध्यम नहीं, बल्कि कमाई का बड़ा साधन भी बनते गए है। आखिरकार क्रिकेट को भी ओलंपिक खेलों में शामिल कर लिया गया है। इसकी घोषणा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने मतदान के बाद की। दो को छोड़ कर सभी देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इस फैसले से स्वाभाविक ही क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है। क्रिकेट का खेल जिस तरह दुनिया भर में लोकप्रिय हो चुका है, उसमें इसके ओलंपिक में शामिल न रहने को लेकर लंबे समय से निराशा जताई जा रही थी। हालांकि क्रिकेट से संबंधित कई विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाती हैं। विश्वकप का आयोजन भी होता है। इसके बावजूद चूंकि ओलंपिक की अपनी गरिमा है, इसलिए खेल प्रेमी और खुद क्रिकेट खेलने वाले भी ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में इसे शामिल करने के पक्षधर थे।

सन 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था : हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में शुमार किया गया। सन 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था, जिसमें इंग्लैंड ने फ्रांस को हराया था। अब 2028 में लास एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में फिर से क्रिकेट की प्रतिस्पर्धा हो सकेगी। अभी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति इसका स्वरूप तय करेगी, पर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि इसमें केवल छह महिला और छह पुरुष टीमें हिस्सा लेंगी। दरअसल, ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में क्रिकेट को शामिल न करने को लेकर सबसे बड़ी अड़चन इसे खेले जाने की अवधि के मद्देनजर रही है। ओलंपिक में खेले जाने वाले सभी खेल छोटी अवधि के होते हैं, मगर क्रिकेट में पूरा दिन लग जाता है। अगर कभी मौसम खराब हो गया तो खेल को टालना भी पड़ता है। फिर ओलंपिक खेलों का मकसद पुराने, स्थानीय और पारंपरिक खेलों को संरक्षण प्रदान करना, उनमें नए खिलाड़ियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना रहा है, इसलिए व्यावसायिक लोकप्रिय खेलों को उसमें शामिल करने से परहेज किया जाता रहा है। इसलिए भी क्रिकेट को इसमें शामिल करने को लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखाई गई। मगर ओलंपिक के छोटे स्वरूप वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में क्रिकेट को शामिल कर लिया गया, तो स्वाभाविक रूप से ओलंपिक समिति पर इसके लिए दबाव बना। फिर जब ओलंपिक संघ ने इंटरनेट माध्यमों पर खेले जाने वाले बिल्कुल नए तरह के खेलों की प्रतिस्पर्धा को भी मान्यता दे दी है, तो क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल को इससे बाहर रखने का औचित्य नहीं रह गया था। क्रिकेट के साथ चार अन्य नए खेलों को भी ओलंपिक प्रतिस्पर्धाओं में शामिल होने की मान्यता दी गई है। क्रिकेट और फुटबाल दो ऐसे खेल है, जिनके प्रति दुनिया भर में दीवानगी देखी जाती है। फुटबाल पहले से ओलंपिक में शामिल है। इस तर्क से भी क्रिकेट को इसमें शामिल करने की मांग जायज थी। ये दोनों खेल अब केवल मनोरंजन का साधन और खिलाड़ियों के कौशल की परख के माध्यम नहीं, बल्कि कमाई का बड़ा साधन भी बनते गए है। जितने प्रायोजक इन खेलों को मिलते है, उतने किसी खेल को नहीं मिलते। इस तरह इनकी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करने वाली समितियां धनी खेल समितियों में शुमार हैं।

गाजा पट्टी को उलटी दूरबीन से मत देखिए

योगेन्द्र यादव

वह यहूदियों और ईसाइयों में भेद नहीं कर सकता। वह मुसलमान और गैर-मुसलमान के चश्मे से इस मसले को देखता है। सच यह है कि अगर इस मसले में मुसलमान न दिखता तो इसराईल में आग लगने की भी खबर हमारे टी.वी. पर न आती। जब दिमाग खाली हो और मन भरा हुआ हो तो विचित्र छवियों का निर्माण होता है। कल्पना की दूरबीन से इसराईल और फिलिस्तीन मुद्दे को देखने का यही परिणाम होता है। एक पक्ष मुस्लिम विरोध के चलते इसराईल के पक्ष में झूठी सहानुभूति जताता है तो दूसरा मुसलमान से हमदर्दी के चलते फिलिस्तीनियों के साथ खड़ा हो जाता है। दूरबीन से टी.वी. के पर्दे पर खेले जाने वाले इस वीडियो गेम का न तो ऐतिहासिक तथ्यों से कुछ संबंध है, न ही आज के सच से, लेकिन यह खेल महज एक खेल नहीं है यह हमारे दिलो-दिमाग में गहरी नफरत भर देता है। दूर देश में इंसानों के जीवन से खेले जा रहे एक खौफनाक खेल में हम अनजाने ही शामिल हो जाते हैं। खून के कुछ छींटे हमारे ऊपर भी आ गिरते हैं। कल्पना के इस खौफनाक खेल का मुकाबला सिर्फ इतिहास और तथ्यों से नहीं किया जा सकता। उसके लिए एक औसत भारतीय के पास समय और धीरज नहीं है। इस गुमराह करने वाली कल्पना के मुकाबले में एक नई कल्पना को विकसित करना होगा। शुरुआत करते हैं एक देश की कल्पना से जो आकार में हरियाणा से आधा हो लेकिन आबादी में हरियाणा का एक-तिहाई। जी, बस इतना ही है इसराईल जिसमें कोई 90 लाख लोग बसते हैं जिनमें से 70 लाख यहूदी हैं और कोई 20 लाख अरब। गाजा पट्टी सिर्फ 10 कि.मी. चौड़ी और ×5 कि.मी. लंबी जमीन है, बस दिल्ली शहर का एक-तिहाई टुकड़ा। वहां कोई 20 लाख लोग बसते हैं। जरा सोचिए अगर इतने छोटे-से प्रदेश पर पूरी दुनिया के तख्त अपना खेल खेलना शुरू कर दें तो उसकी क्या गत बनेगी? कल्पना की दूरबीन को अब जरा बिहार की तरफ घुमाइए, गौतम के बुद्ध बनने की धरती बोधगया की तरफ। अब जरा कल्पना कीजिए कि जापान और तिब्बत से विदेशी अगर आकर यह दावा ठोकें कि बोधगया हमारा पवित्र स्थल है और इस पर हिंदुओं को रहने का कोई अधिकार नहीं है। कल्पना कीजिए कि अगर वह बाहरी ताकतों के दम पर दलबल सहित पहुंच जाए और धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आधार पर बोधगया पर कब्जा कर ले, तो हमें कैसा लगेगा? अगर आपको यह एक क्रूर मजाक लग रहा है तो समझ लीजिए कि यही फिलिस्तीनियों की स'चाई है। बेशक यरूशलम यहूदियों का पवित्र स्थल है लेकिन वहां उनकी बसाहट नहीं थी। सैकड़ों साल से वहां फिलिस्तीनी लोग बसे हुए थे। 20वीं सदी में यहूदियों के साथ यूरोप में अत्याचार करने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त यूरोपीय ताकतों ने यहूदी झंझट से छुट्टी पाने के लिए उन्हें जबरदस्ती उस इलाके में जाकर बसा दिया जिससे उनका कोई जीवंत संबंध नहीं बचा था। साम्रा'यवादी बंदूक के बल पर फिलिस्तीनियों की छाती पर यहूदियों को ले जाकर बसा दिया गया, उनकी मातृभूमि पर किसी और का देश बना दिया गया। सदियों से बसे हुए फिलिस्तीनी अपने ही पुरखों की जमीन पर किराएदार बन गए। अत्याचार के शिकार यहूदी अब फिलिस्तीनियों के लिए अत्याचारी बन गए। कल्पना कीजिए कि अगर ऐसा कुछ बिहार में हो जाए तो क्या कुछ होगा? वहां के मूल निवासी इन बाहरी शासकों का कैसे स्वागत करेंगे? कैसा संबंध बनेगा मूल निवासियों और आप्रवासियों के बीच? यह काल्पनिक उदाहरण आपको इसराईल में यहूदियों और फिलिस्तीनियों के संबंध को समझने में मदद करेगा। जरा सोचिए कि जिन बाहरी लोगों को दुनिया की तमाम ताकतों का समर्थन हो उसके खिलाफ मूल निवासी कैसा प्रतिरोध करेंगे? यह सवाल आपको फिलिस्तीनियों की राजनीति समझने में मदद करेगा। उस स्थिति में बाहरी आप्रवासियों के साथ शांतिमय तरीके से जीने की वकालत करने वालों की क्या स्थिति होगी? यह विचार आपको यासिर अराफात की स्थिति समझने में मदद करेगा। क्या ऐसे में हिंसक विरोध की मांग नहीं उठेगी? आतंकवाद नहीं पनपेगा? यह सोच हमें हमास जैसे संगठनों के उद्गम को समझने में मदद करेगी। इस कल्पना से हमास की हिंसा, बर्बरता और आतंकवाद जायज नहीं हो जाएगा, मगर इतना समझ आने लगेगा कि इस आतंकवाद की जड़ें कहां हैं। जब फिलिस्तीन के मुद्दे पर हमारी कल्पना की उलटी दूरबीन सीधी हो जाएगी तो हमें सच दिखने लगेगा, जैसा महात्मा गांधी को दिखता था। उन्होंने 26 नवंबर 19×8 को 'हरिजन' में लिखा था, ''फिलिस्तीन उसी तरह अरबों का है, जिस तरह इंगलैंड अंग्रेजों का या फ्रांस फ्रांसीसियों का है।'' तब हमें यह समझ आने लगेगा कि गांधी आज की स्थिति पर क्या कहते- हमास की आतंकी दुस्साहस की जितनी भर्त्सना की जाए कम है। इसराईल ने फिलिस्तीनियों के साथ जो भी 'यादती की हो, यह हमास की बर्बरता को जायज नहीं ठहरा सकता। इसके जवाब में इसराईल जो गाजा पट्टी में कर रहा है, वह तो नरसंहार है। इसे किसी भी तरह से न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। एक उग्रवादी संगठन के आतंकी हमले की दुस्साहस और दुनिया की ताकतों के समर्थन से किए फौजी हमले के नरसंहार को वही व्यक्ति एक बराबर मान सकता है जिसकी आत्मा मर चुकी हो।

क्या तेलंगाना में सत्ता विरोधी लहर चल रही है

असीम अली

जैसे-जैसे तेलंगाना राज्य अपना पहला दशक पूरा करने के करीब पहुंच रहा है, इसकी राजनीति में कुछ नाटकीय बदलाव आ रहे हैं। एक वर्ष के भीतर कांग्रेस और भाजपा ने क्रमशः मुख्य प्रतिद्वंद्वी और तीसरे स्थान पर जगह बना ली है। के.सी.आर. की सत्ताधारी पार्टी बी.आर.एस., जो लम्बे समय से एक प्रमुख स्थान पर बनी हुई है, तेजी से उभरती कांग्रेस के खिलाफ मुश्किल से ही पकड़ बनाती नजर आ रही है। 3 महीने पहले पीपुल+सर्वेक्षण ने बी.आर.एस. को कांग्रेस से काफी आगे (करीब 9 प्रतिशत का अंतर) रखा था। हालांकि ए.बी.पी.-सी-वोटर सर्वेक्षण से पता चला है कि कांग्रेस ने यह अंतर कम कर दिया है। इसमें कांग्रेस को 39 प्रतिशत, बी.आर.एस. को 38 प्रतिशत और भाजपा को 16 प्रतिशत वोट शेयर दिखाया गया है। मोटे तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस को 2018 के चुनावों की तुलना में उल्लेखनीय 10 प्रतिशत वोट शेयर का फायदा हुआ है और बी.आर.एस. को नुकसान हुआ है। तेलंगाना चुनावों का दिलचस्प सवाल यह नहीं है कि क्या वहां पर्याप्त सत्ता विरोधी लहर है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में प्रमुख उपचुनावों में सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। दिलचस्प सवाल यह है कि क्या बी.आर.एस. अपने नुकसान को रोक सकती है? क्या कांग्रेस इस सत्ता विरोधी लहर को बी.आर.एस. लहर में बदलने के लिए अभियान चला सकती है?हम दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की वर्तमान मैक्रो स्तरीय रणनीतियों का आकलन कर तेलंगाना के राजनीतिक युद्ध को समझ सकते हैं। सरकार तक बी.आर.एस. का रास्ता नेतृत्व तथा सोशल इंजीनियरिंग से हासिल किया गया है। सबसे निचले तबके के लोगों तक बी.आर.एस. ने अपनी पहुंच बनाई थी। बी.आर.एस. ने आरक्षण में वृद्धि (6 से 10 प्रतिशत तक), जनजातियों के लिए जरूरी 'पोडू' लैंड का आबंटन, दलित बंधु स्कीम, योग्य दलित परिवारों को 10 लाख रुपए की वित्तीय ग्रांट और पिछड़ी जातियों और गरीब अल्पसंख्यकों को एक लाख रुपए की सहायता राशि देने जैसे कदम उठाए। इन सभी लोक कल्याण स्कीमों को मुख्यमंत्री के.सी. आर. ने निजी तौर पर इनकी देख-रेख करते हुए चलाया। एक वर्ष के भीतर ही ऐसी सभी स्कीमें कामयाब हुईं। वहीं कांग्रेस की मैक्रो रणनीति और भी ज्यादा वैचारिक है। कांग्रेस ने पिछड़ी जातियों, आदिवासियों, दलितों और मुसलमानों का सहयोग पाने के लिए श्रेणी आधारित कार्यक्रम का सहारा लेना चाहा है। निचले तबके के इस वर्ग में तेलंगाना की आबादी का करीब 90 प्रतिशत आता है जिसमें दलित 16 प्रतिशत, आदिवासी 9 प्रतिशत, मुसलमान 13 प्रतिशत और ओ.बी.सी. 50 प्रतिशत शामिल हैं। बाकी के 10 प्रतिशत लोगों में प्रभावशाली रैड्डी और वेलमा जातियां आती हैं। निचले तबके ने तेलंगाना आंदोलन (2009 से 2014) के अंतिम चरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस आंदोलन में नए राज्य के गठन की मांगें की गई थीं जोकि ग्रामीण, आर्थिक अनिश्चितता के दावों पर आधारित थीं। इसके बाद कुलीन जाति विरोधी भावनाएं लक्षित हुई थीं। अब कांग्रेस कुलीन जाति विरोधी भावनाओं का दोहन करने की उम्मीद लगाए बैठी है। इन जातियों में मुख्य तौर पर प्रभावशाली रैड्डी और वेलमा जमींदार जातियां शामिल हैं। इन्हें वंशवादी रूप से संरचित बी.आर.एस. के तहत संरक्षण प्राप्त है। इस कथा के विरोधी स्वरूप के अनुसार तेलंगाना के आम लोगों ने अभी तक तेलंगाना आंदोलन में किए गए वायदों के लाभ प्राप्त नहीं किए हैं। कांग्रेस की गारंटियों में रायथु भरोसा स्कीम शामिल है जो किसानों के लिए कैश सबसिडी पर आधारित है। कांग्रेस की इस गारंटी और वर्तमान में बी.आर.एस. की रायथु बंधु स्कीम में फर्क है। कांग्रेस ने भूमि रहित श्रमिकों और पट्टेदार किसानों को शामिल किया है। पड़ोस के कर्नाटक क्षेत्र से संबंध रखने वाले कांग्रेसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की किसानों को दी जाने वाली गारंटियों का मकसद स्पष्ट तौर पर ग्रामीण पिछड़ी श्रेणियों और दलितों को लक्षित करना है।

जगदंबा घर में दियरा बार अइनी हे, जगतारण...

रविवार से नवरात्रि शुरू हो गई है। दुर्गापूजा की याद आते ही मन बचपन में लौट जाता है। तब हमारा परिवार गोरखपुर में रहा करता था। वहां दुर्गापूजा बहुत भव्यता से मनती है। हमलोग प्रदर्शनी देखने जाया करते थे। सबसे भव्य बंगाली टोला की दुर्गा मां होती थीं। उनके पूजा-पंडाल का दर्शनीय रूप खूब लुभाता। हाथ में धुनुची लिए भव्य दुर्गा प्रतिमाओं के सामने पूरे भक्ति-भाव से बंगाली ि़त्रयों का नाचना आनंदित कर देता था। वह ऐसा समय था, जब बड़े-बड़े पंडाल बना करते थे और उनमें लगातार गीत बजा करते। तब पितृ पक्ष (श्राद्ध) से ही अधूरी प्रतिमाएं दिखने लगती थीं। परदे के पीछे उन प्रतिमाओं को गढ़ा जाना, उनके हाथ-पैर बनते देखना हम बच्चों में काफी उत्सुकता जगाता। हम जानना चाहते थे कि मिट्टी से बन रही प्रतिमाएं इतना आकर्षक रूप कैसे ग्रहण करती हैं? उस समय गोलघर में हमारा परिवार रहता था और उसके ठीक पीछे दुर्गापूजा शुरू हुई थी, तो बंगाल के एक कलाकार मूर्ति बनाने आए। वह परदे-चादर से घेरकर अपना काम करते, और हम बच्चे चोरी-छिपे उस घेरे में घुसने का यत्न करते। उनमें घुसकर हम बन रही प्रतिमा को निहारा करते। हालांकि, हम लोगों को भगा दिया जाता था, क्योंकि आकार लेती प्रतिमा को देखना अच्छा नहीं माना जाता था। दुर्गापूजा हमलोगों के लिए विरासत अथवा परंपरा की चीज है। कलश स्थापना के साथ नवरात्रि शुरू हो जाती थी और व्रत भी होते थे। पहले दादी करती थीं, फिर मां, शादी हुई तो सास को देखा, फिर मैं करने लगी और अब हमारे बच्चे भी यह पूजा करते हैं। हमारे लिए नवरात्रि का उत्सव घर के संस्कार की चीज है। हमें पता ही नहीं चलता कि हमारे संस्कार में कब ये चीजें समा जाती हैं। जिस तरह आजकल बच्चों को रामलीला दिखाने ले जाया जाता है, हम लोग दुर्गा पंडालों में जाया करते थे। अखबारों में जब प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले आयोजकों की खबरें देखते, तो कभी-कभी उनसे असहमति भी जताते। हम खुद उन प्रदर्शनी से जुड़ जाते थे। ऐसे आयोजनों में व्यक्तिगत जुड़ाव नैसर्गिक होता है। और फिर, देवी की प्रतिमाओं में हम देखते भी क्या हैं? यही कि उनके चरणों के नीचे एक राक्षस दबा है, यानी देवी पाप का नाश कर रही हैं। अच्छाई और बुराई के संस्कार पिरोने का माध्यम रही है दुर्गापूजा। यहां एक अन्य संयोग का जिक्र जरूर करूंगी। जब पोस्टिंग के सिलसिले में दिल्ली आई, तो हम लोग दुर्गापूजा देखने चितरंजन पार्क जाया करते थे। उस समय मेरा बेटा काफी छोटा था। मगर आज उसने वहीं पर अपना फ्लैट लिया है। ऐसा संयोग बनेगा, यह हमने कभी सोचा नहीं था। कहने का तात्पर्य है कि बच्चों को सिखाना चाहिए कि वे इन सभी चीजों से कैसे जुड़ें? आजकल इन्हीं सबका अभाव दिख रहा है। एक कलाकार की नजर से नवरात्र को देखती हूं, तो पाती हूं कि हाल के वर्षों में इससे जुड़े गीत-संगीत बढ़े हैं। पहले भक्ति संगीत को बिल्कुल अलग मान लिया गया था। गायकों की श्रेणी तय होती थी कि कौन कैसा गीत गाएगा! मगर अब तो बड़े-बड़े कलाकार भी अपनी आवाज में दुर्गा सप्तशती रिकॉर्ड करवा रहे हैं। देवी के गीत गा रहे हैं। देवी के प्रति उनकी श्रद्धा बढ़ी है। कुल मिलाकर, सोच में व्यापक बदलाव आया है। फिल्मी गीतों पर भक्ति गीत कोई नया ट्रेंड नहीं है फिल्मी गीत-संगीत भी कई सारे लोकगीतों पर बने हैं। वास्तव में, जो चीजें लोकप्रिय हो जाती हैं, वे लोकगीत ही हैं, क्योंकि वे जुबान पर बैठ जाती हैं। सन् 1954 में आई नागिन की धुन तो अब लोकगीतों का हिस्सा है। पहले बेशक कलाकार भक्ति गीत गाने से दूरी बरतते थे।

कोलकता में बोले अमित शाह–मां दुर्गा से प्रार्थना है कि बंगाल से खत्म हो भ्रष्टाचार और अत्याचार

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5028

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5027

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5028

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1950 की हिंदी फिल्मों के इस प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता ने जन्म लिया था (4)
5. मकान, सामान्य, चीज की संख्या (3)
7. मर्यादा (3)
8. यह गोविंदा अभिनीत पहली फिल्म थी (5)
11. हुनर, कला, मनोरंजन (2)
12. अवस्था, उम्र (2)
14. पुत्र, बेटा (2)
16. आदर, सत्कार, सम्मान (3)
14. पैसों वाला, धनवान होने का भाव (4)
17. पथभ्रष्ट होना, मार्गच्युत होना (4)
19. गमन प्रक्रिया, प्रेषिति (3)
21. नामकरण संस्कार होना, नामदेना (5)
22. शास्त्रीय संगीत में षड्ज स्वर, सहरूप, समकक्ष समान (1)

ऊपर से नीचे
1. पद, स्थान, ओहदा, पोस्ट (3)
2. मेरा या मेरी (2)
3. आदिम, सुदूर, पुरातनकालीन (4)
4. कारण (अंग्रेजी) (3)
5. संतान, पुत्र या पुत्री, वंशधर, कुलधर (3)
6. श्रीराम के अनुज भरत के ज्येष्ठ पुत्र जिन्होंने तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)
9. कृष्ण पक्ष, अंधेरा पाख (2)
10. नई जिंदगी, नया जीवन (5)
11. जीत, विजय (उर्दू) (3)
13. एक अलंकार जिसमें एक ही शब्द दो या दो अधिक बार आने पर प्रत्येक बार भिन्न अर्थ देता है (3)
14. सुबकी ले-लेकर रोना (4)
15. इस देश की राजधानी अंकारा है (2)
16. अलबेला, अनूठा, नवीन (2)
18. यह देश तीनों ओर से फारस की खाड़ी से घिरा है जिसकी राजधानी दोहा है (3)
20. वक्तव्यान, दिखाई करना (2)

वर्ग पहेली 5027 का हल

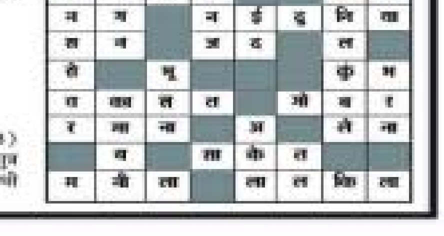

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

मतदान दलों के लिए वन वे व्हाट्स एप ग्रुप बनाया जाए-कलेक्टर

चारों विधानसभा क्षेत्र में मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न, पीठासीन एवं मतदान अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दलों को दिया जा रहा प्रथम प्रशिक्षण का जायजा लिया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा कहा गया कि जितने भी मतदान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनके लिए वन वे व्हाटसएप ग्रुप बनाया जाएगा। जिसमें प्रशिक्षण से संबंधित पीपीटी एवं वीडियो भेजे जाएंगे। जिनको अच्छी तरह से देखे। मतदान दल में हैंड बुक का भी अच्छे से अध्ययन करें। यूट्यूब पर भी अच्छे-अच्छे वीडियो देख सकते हैं। प्रशिक्षण के संबंध में शंका होने पर तुरंत उसका समाधान करवाए।

द्वितीय रेंडमाइजेशन के पश्चात एक बार फिर सभी मतदान दलों का प्रशिक्षण होगा। पहली बार जो लोग मतदान दलों में लगे है उनका एक एक्स्ट्रा प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतदान के दिन मतदान दलों को 2 पेज की ब्रीफ बनाकर दी जाए। जिसमें मतदान के दिन की सभी प्रक्रिया क्रम से बता रखी हो। मोकपोल की प्रक्रिया अच्छे से पूर्ण होनी चाहिए। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान, प्रशिक्षण के नोडल डीएफओ श्री चौहान, डॉ जेके जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अनीता, मतदान दल मौजूद थे। विधानसभा निर्वाचान 2023 के अंतर्गत पीठासीन एवं मतदान अधिकारी एवं कर्मचारियों को शासकीय महाविद्यालय मंदसौर में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उक्?त प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान मतदान दलो के लिए नवीन अनुदेश बताये गये। जिसमें मतदान के लिए वैकल्पिक दस्तावेज, मतदाताओं के लिये मतदाता सूचना पर्ची, मतदान दलो के लिए ग्रीन पेपर सील, प्रशिक्षण में बताए बिंदु प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को दी जाने वाली सामग्री जैसे इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, वीवीपैट मशीन, निविदत्त मतपत्र, मतदाताओं का रजिस्टर, निर्वाचन नामावली की चिहिन्त प्रतिया, पीठासीन अधिकारी की डायरी, मतपत्र लेखा प्रारूप, नामावली की अतिरिक्त प्रतियां, ग्रीन पेपर सील, स्ट्रीप सील,

संविधिक प्रारूप, सिलिंग बैक्स अमिट स्थाई का मिलान करना, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली व्यवस्था एवं मतदान केंद्र के 100 मीटर की परिधि में जाने वाली व्यवस्थाएं, पीठासीन अधिकारी एवं अन्य कर्मियों के कार्य व अधिकार, किस प्रकार मांकपोल करके दिखाया जाएगा, मतदाता की पहचान किस प्रकार सुनिश्चित करते हुए उससे मतदान कराया जाएगा, घटना-दुर्घटना, मतदान का प्रतिशत किस प्रकार एसएमएस के माध्यम से भेजा जाएगा, मतदान समाप्ति के बाद किस प्रकार ईव्हीएम एवं वीवीपैट को मोहर बंद कर स्ट्रांग रूम में जमा कराया जाएगा, मतदान के दिन मतदान में मतदाता के अतिरिक्त कौन-कौन से लोग प्रवेश कर सकते उनके पास कौन से दस्तावेज होना आवश्यक है, मतदाता की पहचान किस प्रकार की जाएगी नि:शक्त मतदाता किस प्रकार मतदान कर सकेंगे आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को ईवीएम मशीन पर प्रेक्टिकल भी कराया गया। जिसमें उन्हें नियंत्रण यूनिट को मतदान यूनिट एवं वीवीपैट से जोड़ना, दिखावटी मतपत्र करके दिखाना, किस प्रकार मतदाता के मतदान करने के बाद बीप की आवाज सुनाई देगी एवं लालबत्ती बंद हो जाएगी, मतदान समाप्ति के बाद ईवीएम को सील किया जाएगा, इसके बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतदान दलकर्मी निर्देश पुस्तिका का अच्छी तरह से अध्ययन करलें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रयोगात्मक तरीके से मतदान दलों को मतदान सामाग्री प्राप्त करने, मतदान केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, निर्वाचन विधि लागू करने, मतदाता की पहचान का सत्यापन, अमिट स्याही लगाने, मतदान की गोपनीयता बनाए रखने, प्रपत्रों की पूर्ति, मतपत्र लेखा तैयार करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में ईव्हीएम व वीवीपीएटी का हेण्ड आन प्रशिक्षण भी दिया, निर्वाचन से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों को छोटे छोटे समूह में इलेक्ट्रॉनिक ईव्हीएम, वीवीपीएटी के संचालन के बारे में विस्तार से पीठासीन एवं मतदान अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवगत कराया।

अलावदाखेड़ी से नालछा माता मंदिर तक बालाजी ग्रुप ने निकाली विशाल चुनरी यात्रा..

251 फीट लम्बी चुनरी मां नालछा को अर्पित की

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। महावीर फतेह करें सेवा संस्था बालाजी ग्रुप के तत्वावधान में 18 अक्टूबर, बुधवार को ग्राम अलावदाखेड़ी से मॉ नालछा माता के दरबार तक संतों के सानिध्य में विशाल चुनरी यात्रा निकालकर 251 फीट लम्बी चुनरी माँ नालछा को अर्पित की गई। जिसमें सैकडों की संख्या में सनातनधर्मी सम्मिलित रहे।

ग्रुप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने बताया कि बालाजी ग्रुप द्वारा सभी के सुख समृद्धि की कामना को लेकर प्रतिवर्ष चुनरी यात्रा निकालकर मॉ नालछा को चुनरी अर्पित की जाती है। इस धार्मिक आयोजन में ग्रामीण भक्तों की भागीदारी हो इस उद्देश्य से इस वर्ष मंदसौर से चुनरी यात्रा न निकालते हुए ग्राम अलावदाखेड़ी से चुनरी यात्रा निकाली गई। प्रात: 10 बजे चुनरी यात्रा अलादाखेड़ी स्थित बालाजी मंदिर परिसर से पूजा अर्चना के बाद संतों के सानिध्य में चुनरी यात्रा निकली। प्रारंभ में पूजन अर्चन महंत रामकिशोरदासजी महाराज, पं. दशरथभाई, पं. शिवकरण प्रधान, पं. शिवनारायणजी शर्मा, भागवत प्रवक्ता कृष्णकांत शर्मा मोया खेड़ा ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से समाजसेवी डॉ. भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, विनय दुबेला, कुमावत समाज के वरिष्ठ वरदीचंद कुमावत, सरपंच बादूलाल खोखर, बालाजी ग्रुप के ग्राम प्रमुख मंगल फ़तरोड, पंडित राजेंद्र नागर, भागवत धर्म प्रचारक पं. पुलकित नागर, गुलशन खोखर, लखन प्रजापत, उप सरपंच कैलाश गोंदी ,गिरधारी लाल सुनार्थी, घनश्यामसिंह तोमर, मुकेश राठौर, विनोद चौहान, रतन कहार, विक्रम वर्मा, विशाल सोनी, मेघसिंह, पंडित कुलदीप शर्मा मांडवी, राज, विजय मकवाना, राहुल, मंगल सूर्यवंशी आदर्श डॉगर, कारूलाल प्रजापत सचिन बुगले, गोविंद, रघुनाथ, पप्पू, अक्षय, महेंद्र, गौतम, मंथन, संजय, मितेश सहित बड़ी संख्या में माताजी के भक्त शामिल हुए। सभी भक्त चुनरी को हाथों में थामे तथा माताजी के जयकारों के साथ नालछा माता मंदिर पहुंचे जहां माता को चुनरी व ध्वजा समर्पित की।

20 अक्टूबर को दूधाखेड़ी में निकलेगी 1100 फीट लम्बी चुनर यात्रा- बालाजी ग्रुंप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने बताया कि नवरात्रि में प्रतिवर्ष बालाजी गुरप द्वारा दूधाखेड़ी माताजी को विशाल चुनरी चढ़ाने की परम्परा इस वर्ष भी जारी रहेगी। ग्राम बरर्डिया इस्तमुरार से करीब 9 कि.मी. चलकर यह यात्रा दुधाखेड़ी माताजी मंदिर पहुंचेगी जहां माताजी को भक्तों के द्वारा यह चुनरी चढ़ाई जाएगी। आयोजन को लेकर विशेष तैयारियां की गई है। बालाजी ग्रुप ने इस चुनरी यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

मतदाता जागरूकता के अंतर्गत बुजुर्ग मतदाताओं का किया जा रहा सम्मान

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बुजुर्ग मतदाताओं का घर-घर जाकर सम्मान किया जा रहा है एवं उन्हे मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्हें मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। उनको बताया जा रहा है कि वह बिना लाईन में लगे मतदान कर सकते है उन्हे लाईन में लगने की आवश्यकता नहीं है। मतदान के माध्यम से जितनी अधिक मतदाता की भागीदारी होगी उतना ही लोकतंत्र मजबूत बनेगा तथा उपयुक्त अभ्यर्थी का चयन हो सकेगा। मतदाता जागरूकता गतिविधियों अन्तर्गत जिले के ग्रामो में मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। सभी मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाते हुए कहा कि 'हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह संकल्प लेते है कि अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांति पूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भिक होकर धर्म व जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेगें।

दो छात्राओं का राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में हुआ चयन

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय के हॉकी कोच नवम देव कोटा ने जानकारी देते हुए बताया कि संभागीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के आधार पर शगुन मालवीय कक्षा 7वी व तनिष्का परिहार कक्षा 7वी चयन हुआ है यह प्रतियोगिता मंदसौर में दिनांक 16/10/23 से 19/10/23 तक आयोजित की जावेगी बालिकाओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय मैनेजमेंट व विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रिंस वी थॉमस सुपरवाइज़ श्री हाकिम प्रसाद शर्मा हॉकी मन्दसौर के सचिव श्री अविनाश उपाध्याय खेल प्रशिक्षक देवेंद्र बैरागी जयविजय सिंह सिसोदिया आकाश गाजवा नवीन खोखर नवम देवकोट आदि ने बधाई दी व उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

रास्ते में पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस प्रकरण दर्ज किया। पामाखेड़ा निवासी महेन्द्र ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई की रात्रि में भारतलाल पिता भंवरलाल बागरी रास्ते में मिला और बोला कि तेरी दादी मेरी बदनामी कर रही है, कहकर गाली-गलौज की व लकड़ी से पीटा। जिससे चोंटे आई। पुलिस ने आरोपी भारतलाल पर केस दर्ज किया।

महाराजा अजमीढ़ देव जयंती समारोह 29 को धूमधाम से मनाया जाएगा

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज मंदसौर द्वारा 29 अक्टूबर, रविवार को स्वर्णकार समाज के संस्थापक महाराजा अजमीढ देव जयंती समारोह माहेश्वरी धर्मशाला नयापुरा रोड़ मंदसौर पर धूमधाम से मनाया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कारूलाल सोनी (अफजलपुर वाला), स्वर्णकार कला बोर्ड सदस्य राज्यमंत्री दर्जा व समाज जिलाध्यक्ष अजय सोनी (कॉलोनाइजर), शहर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन डाबर, जनकूपुरा नम अध्यक्ष विजय सोनी, ट्रस्ट अध्यक्ष मोहनलाल सोनी, पितृकोष ट्रस्ट अध्यक्ष नागेश्वर सोनी (नीलम मसाला), महिला मण्डल अध्यक्षा मधु मनोहर सोनी, नगर अध्यक्षा हंसा सोनी, शहर पंचायत अध्यक्षा बबीता सोनी, जनकूपुरा पंचायत अध्यक्षा टून्ना सोनी, नवयुवक मण्डल अध्यक्ष गौरव सोनी, ने बताया कि हर वर्ष स्वर्णकार समाज द्वारा महाराजा अजमीढ देव जयंती धूमधाम से मनाई जाती हैं। आराध्यदेव प्रात: स्मरणीय महाराजाधिराज अजमीढ देवजी महाराज की जयंती को लेकर समाजजनो में काफी उत्साह है। 29 अक्टूबर को दोप. 12.15 बजे लालबाई फूलबाई मंदिर किला रोड़ से एक भव्य चल समारोह निकलेगा जो सराफा बाजार, सदर बाजार, कालिदास मार्ग, होटल नीलम रोड़ कालाखेत होते हुए नयापुरा रोड़ से माहेश्वरी धर्मशाला पहुंचेगा। चल समारोह में समाज के पुरुष श्वेत वस्त्र एवं महिलाएं लाल चुनरी में रहेगी। सायं 5.30 बजे भजन संध्या व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होगा। तत्पश्चात् समाजजनों हेतु स्नेह भोज का आयोजन होगा।

श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, मंदसौर, श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज नवयुवक मण्डल मंदसौर, श्री मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज महिला मण्डल ने समाज के सभी वरिष्ठजनों, युवाओं, मातृशक्ति से निवेदन है कि महाराजा अजमीढ देव जयंती समारोह में अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाये।

नपा ने सड़कों पर विचरन करने वाले 19 गौवंश को पकड़ा

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह ने निर्देशानुसार कल 17 अक्टूबर 2023 को 19 गौवंश को पकडकर उसे गौशाला भिजवाया। नपा के स्वास्थ्य अमले ने पुलिस पेटोल पम्प चौराहा, काबरा पेटोल पम्प चौराहा, भाचावत शोरूम चौराहा संजीत रोड, श्री कोल्ड चौराहा से गौवंश को पकडा गया। नगर पालिका परिषद गौवंश जो कि सडको पर विचरण करते है। उसके कारण नगर के मेन रोड पर यातायात व्यवस्था बाधित होती है। इस समस्या के सामाधान के लिये नपा परिषद निरंतर सडको पर विचरण करने वाले पशुओ को पकडने का अभियान चला रही हैं नपा का यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री हेमचंद्र शर्मा ने सभी पशुपालको से निवेदन किया है कि वे अपने पशुओ को सडको पर खुला नही छोडे तथा पशुओ को अपने बाडे में ही रखे।

नि:शुल्क नैत्र शिविर: 164 का परीक्षण, 11 का हुआ नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति एवं ग्रा.पं. नाटाराम के सहयोग से शिविर सम्पन्न

सीतामऊ, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति एवं ग्राम पंचायत नाटाराम के नेतृत्व में जैन दिवाकर श्रीलाभमुनि नेत्र चिकित्सालय द्वारा नि:शुल्क नेत्र परिक्षण एवं मोतियाबिदं ऑपरेशन शिवीर का आयोजन किया गया। जिसमें 164 साथियों ने शिविर में सहभागीता कर अपना नेत्र परिक्षण करवाया गया। 11 साथियों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। शिवीर का शुभांरम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण सरपंच बापुलाल जाट, भेरूलाल गुर्जर, मोहनलाल वाघेला, राजु गणपत जाट, डा.अरूण नायक, राहुल, परशराम शर्मा, उपसरपंच गोंविद पाटीदार, सचिव प्रेमसिंह राठोड, रतनलाल पाटीदार, सीएचओ टीना वर्मा, एएनएम ममता चौहान, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधी हरिओम गंधर्व, आशा सहयोगिनी साधना सेन, दिलीप भटनागर द्वारा किया गया।

इस संबधं में जानकारी देते हुए नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति के कार्यक्रम समन्वयक हरिओम गंधर्व ने बताया की उपस्वास्थ्य केद्र नाटाराम पर सभी के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र परिक्षण शिवीर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे शिवीर को शुभारम किया गया जो दोपहर 3 बजे तक निरंतर चलता रहा। शिवीर में 164 लोगो ने अपना नेत्र परिक्षण कराया गया। जिसमें सभी को नि:शुल्क दवाई दी गई। साथ ही जिनको चश्मा लगता हैं उनके नम्बर निकालकर नि:शुल्क चश्मा बनवाने हेतु चिन्हीत किया गया। 11 मरिजो के मोतियाबिंद की शिकायत होने पर उनके आपंरेशन के लिये वाहन से मंदसौर भेजा गया। शिवीर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव बद्रीलाल प्रजापत, जगदीश मांदलिया, प्रकाश शर्मा, कारूलाल माली, आशा कार्यकर्ता टम्मा माली, कारी रत्नावत, पुष्पा सेन, सत्यनारायण जाट सहीत सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध शराब के साथ 4 धराए

पिपलियामंडी, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपियों को पकड़ा। नाहरगढ पुलिस ने 20 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ शक्करखेडी निवासी सोनूबाई पति जितेन्द्र बाछडा व 40 क्वार्टर के साथ रातीतलाई निवासी शम्भुलाल पिता रामलाल रावत को, नारायणगढ पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ ढाबला निवासी मनीष पिता राधेश्याम बागरी को, पिपलिया पुलिस ने 5 लीटर शराब के साथ लसुड़िया राठौर निवासी कुलदीप पिता बंशीलाल प्रजापत को गिरफ्तार किया है।

साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल साक्षरता के संबंध में आयोजित हुई कार्यशाला

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2023-24 के अनुपालन में तथा माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री अजीत सिंह साहब के मार्गदर्शन तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत साहब के निर्देशन में दिनांक 18 अक्टूबर 2023 को वात्सल्य पब्लिक स्कूल मंदसौर में डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश श्री हर्ष सिंह बहरावत ने उपस्थित विद्यार्थियों को सर्वप्रथम साइबर सुरक्षा का अर्थ बताते हुए कहा कि हमारे मोबाइल फोन अथवा कंप्यूटर पर रखे हमारे डाटा या प्रोग्राम को अनअधिकृत व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने से रोकना ही साइबर सुरक्षा है। मोबाइल फोन टेक्नोलॉजी में निरंतर विकास होने से स्मार्टफोन आम आदमी की पहुंच में तो आ गए है परंतु इसे इस्तेमाल करने में जो स्मार्टनेस अथवा सजगता की जरूरत है उससे अभी भी बहुत से लोग अनभिज्ञ है। माननीय जिला न्यायाधीश महोदय ने उनके न्यायिक अनुभवों से बताया कि किस प्रकार साइबर अपराधी हमारे मोबाइल फोन में सेंध लगाकर हमारा महत्वपूर्ण डाटा यथा फोटोस, वीडियो, फाइल्स चुरा कर उनका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से किसी भी अनजाने लिंक को खोले जाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया साथ ही यह भी बताया की इंस्टॉल्ड एप्लीकेशंस को कोनसी परमीशंस देनी चाहिए। सचिव महोदय ने बताया कि सोशल मीडिया एप्स का भी कम से कम इस्तेमाल किया जाए क्योंकि वे बच्चों के ध्यान एवं स्मरण शक्ति को कम कर सकते हैं जिसे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जिला नयाधीश महोदय ने बाल विवाह के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के संबंध में विद्यार्थियों को शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, विद्यालय के प्राचार्य डॉ श्री अविनाश श्रीवास्तव, शिक्षकगण एवम स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधानसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी

नीमच, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आयोग के दिशा निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये गये है। विधानसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए निर्वाचन के व्यय के लिए पृथक से बैंक एकाउंट खोलना होगा। निर्वाचन की अधिकतम खर्च सीमा 40 लाख निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि निक्षेप राशि 10000 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 5000 रूपये निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दलों के लिए एक प्रस्तावक तथा शेष के लिए 10 प्रस्तावक आवश्यक है। संवीक्षा दिनांक को अभ्यर्थी की उम्र 25 वर्ष होना आवश्यक है। अभ्यर्थी मध्यप्रदेश विधानसभा क्षेत्र का मतदाता हो, किन्तु प्रस्तावक संबंधित विधानसभा का होना आवश्यक है। यदि अभ्यर्थी अन्य विधानसभा क्षेत्र का मतदाता है तो उन्हें संबंधित विधानसभा की मतदाता सूची के विवरण की सत्य प्रतिलिपि प्रस्तुत की जाना आवश्यक है। नाम निर्देशन के समय अभ्यर्थी के साथ अधिकतम चार व्यक्ति उपस्थित रह सकते हैं। एक अभ्यर्थी अधिकतम 4 नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकता है। अभ्यर्थी अधिकतम दो सीटों से नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	8	1600	2100
उड़द	121	4444	9341
सोयाबीन	6500	3550	4921
गैहु	3200	2502	3131
चना	121	4000	6341
मसुर	186	3000	6129
धनिया	236	5555	6873
लहसुन	15500	7000	15501
मैथी	610	5860	7151
अलसी	1816	4601	5300
सरसो	304	5001	5240
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	35	11001	22001
प्याज	1092	1000	3197
कलोंजी	52	10000	16991
डॉलर	9	7701	13800
तिल्ली	6	14999	16250
मटरसुखी	45	1780	1800
असालीया	29	9650	10650

12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक भी दिखाकर मतदाता कर सकेंगे मतदान

नीमच, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, परंतु उसके पास किसी वजह से मतदाता परिचय पत्र उपलब्ध नहीं है, तो भी वह मताधिकार का उपयोग कर सकेगा। मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। इसी प्रकार यदि किसी कारण से किसी नागरिक को मतदाता सूचना पर्ची प्राप्त नहीं होती है, लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो भी वह मतदान कर सकेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने बताया, कि सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता वोटर आईडी कार्ड प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जैन ने बताया, कि 12 वैकल्पिक फोटो युक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, पीएसयू, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है। अप्रवासी भारतीय मतदाताओं (एनआरआई) को केवल पहचान के लिए अपना मूल पासपोर्ट दिखाना होगा। यदि ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ आदि का मिलान न हो, पाने के कारण मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को उपरोक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

कलेक्टर ने दस व्यक्तियों को संबंधित थाने में उपस्थिति देने का किया ओदश जारी

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 03(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दस व्यक्तियों हेमन्द्रसिंह पिता लक्ष्मणसिंह राजपूत निवासी धंधोड़ा, गोपाल पिता उंकारलाल जाट निवासी रूपनी, सानू पिता रहीम कोडा निवासी मुलतानपुरा निवासी मंदसौर, रितेश पिता जीवनलाल तंवर निवासी बारा क्वार्टर तंवर कॉलोनी मंदसौर, अशफाक पिता अनवर हुसैन निवासी देशवाली मोहल्ला भानपुरा, इरफान पिता उमरहयात मेवाती निवासी मल्हारगढ़, आशिक पिता अजीम कोका निवासी मुल्तानपुरा, अंसार पिता सलीम गुल्ला निवासी मुल्तानपुरा, गपसिंह उर्फ गबसिंह पिता भगवानसिंह सौ. राजपूत निवासी मकडावन एवं युसुफ पिता एहमद मंसूरी निवासी नाहरगढ़ को कलेक्टर श्री यादव ने आदेशित किया है, कि ये तीन माह तक प्रति माह की 1 एवं 16 तारीख को संबंधित पुलिस थाना में उपस्थिति देकर यह सुनिश्चित कराये की वह किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलग्न नहीं है।

अगले माह से जमकर बजेंगे बैंड-बाजा, निकलेगी बारात

35 लाख शादियों से होगा 4.25 लाख करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। अगले महीने 23 नवंबर से देशभर में शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक सर्वे में पता चला है कि इस बार के सीजन में 23 दिन में देशभर में 35 लाख शादियां होंगी। इतना ही नहीं शादियों के कार्यक्रम से जुड़ी इंडस्ट्री के भी हाथ कमाई का लड्डू का लगने वाला है, क्योंकि वेडिंग इंडस्ट्री इस बार 4।25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार करने वाली है।

2022 में हुई थी इतनी शादियां– हाल ही में आई कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसायटी की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 के मुकाबले इस साल यानी 2023 में कहीं ज्यादा शादियां होंगी। इसके कारण शादियों से जुड़े उद्योगों को भी बड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है। सर्वे में बताया गया है कि साल 2022 में करीब-करीब 32 लाख शादियां में 3।75 लाख करोड़ का कारोबार हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये सर्वे देश के प्रमुख 20 शहरों के कारोबारियों और सर्विस प्रोवाइडर के आधार पर जारी किया था।

दुल्हा-दुल्हान पर खर्चा होता है बड़ा हिस्सा– कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि इस बार शादियों की संख्या को देखते हुए कारोबार की बेहतर संभावना है। इसको देखते हुए देशभर के व्यापारियों ने भी बड़े स्तर पर तैयारियां की हैं।सर्वे में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि शादी के कुल खर्चे 20 फीसदी दूल्हा और दुल्हन पर खर्च किया जाता है, जबकि बाकी 80 प्रतिशत खर्च पूरे कार्यक्रम पर किया जाता है। सर्वे के अनुसार, सिर्फ दिल्ली में ही इस बार 3.5 लाख से ज्यादा शादियां होंगी।

ये हैं नवंबर और दिसंबर की शुभ तारीखें– बताया गया है कि इस बार शादियों के लिए 11 शुभ मुहूर्त हैं। बताया गया है कि 23 नवंबर से शुरू हो कर ये सीजन 15 दिसंबर तक चलेगा। नवंबर की बात करें तो शुभ तिथियां 23, 24, 27, 28 29 हैं, जबकि दिसंबर में 3, 4, 7, 8, 9 15 तारीख शुभ है। लिहाजा जिन परिवारों में शादियां होनी हैं, वहां तैयारी तेज हो गई हैं। घरों में रंगाई और पुताई का काम भी शुरू हो गया है।

पूर्वी की मौत संदिग्ध, आत्महत्या नहीं हत्या है

रतलाम जाकर पुलिस अधीक्षक को मंदसौर सकल जैन समाज के 50 प्रतिनिधियों ने ज्ञापन दिया, पुलिस द्वारा कठोर कार्यवाही होगी

रतलाम, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस मंदसौर के सकल जैन समाज के पचास सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने कल रतलाम पुलिस अधीक्षक श्री राहुल कुमार लोढा को ज्ञापन देते हुए मांग की कि मंदसौर की अल्प विवाहित बिटिया श्री. पूर्वी चौपडा (संघवी) की संदिग्ध मत्यु की निष्पक्षतापूर्वक जांच की जावे तथा दोषियों का पता लगा कर उन्हें कठोर सजा दिलाई जावे। ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया कि पूर्वी की आत्महत्या नहीं हत्या हुई है तथा यह दहेज प्रताड़ना का प्रकरण है।

विस्तृत समाचारों में कहा गया कि मंदसौर के श्री अरविंद संघवी की बिटिया पूर्वी (आयु 25 वर्ष) का विवाह अठारह मास पूर्व रतलाम निवासी दर्शन चौपडा के साथ हुआ था। विवाह के बाद दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताडित किया जाने लगा। पूर्वी बार – बार मंदसौर पिहर आने लगी। वह कुल पंद्रह मिहिनो तक मंदसौर में ही रही। अभी उसके परिवार ने उसे ससुराल भेजा तो वहां विगत दिनांक 14 अ:टूबर शनिवार को उसकी उसके ससुराल में मृत्यु हो गई। वह मृत ससुराल रतलाम में हुई लेकिन उसका अंतिम संस्कार मंदसौर शव लाकर पियर वालों ने किया। इससे यहां जैन समाज में रोष है। सकल जैन समाज का ज्ञापन कल पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राहुल लोढा को सजैस के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र मेहता तथा संयोजक श्री सुरेन्द्र लोढा ने उनके रतलाम स्थित कार्यालय दिया। एसपी श्री लोढा ने आश्वासन दिया कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जावेगी। पुलिस तत्काल सक्षम कदम उठायेगी। ज्ञापन देने वालो में सकल जैन समाज मंदसौर के कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र मेहता, संयोजक सुरेन्द्र लोढा, उप संयोजक अशोक मारु तथा संजय मुरडिया, महामंत्री सुशील तलेरा, कोषाध्यक्ष राजेश संचेती, बडे साथ ओसवाल समाज के अध्यक्ष अजीत संघवी, कोषाध्यक्ष हस्तीमल जैन, जैन समाज के प्रमुख सिद्धार्थ पामेचा, शैलेन्द्र भंडारी, हिम्मत लोढा, दिलीप डांगी, कपिल भंडारी, राकेश सुराना, सुनील संघवी, प्रवीण संघवी, प्रतिक चंडालिया, प्रवीण मुरडिया, राकेश श्रीमाल, निधि संघवी, चेतना भंडारी, मंजु संघवी, नेहा भंडारी, सोनिया खमेसरा, शिखा श्रीमाल, निकिता संघवी, मंजु संघवी, अनिल संघवी, संजय संघवी, विकास नाहटा, संजय जैन आदि भारी संख्या में मंदसौर निवासी उपस्थित थे।

स्विफ्ट कार से पकड़े 9 बेग में रखे 95 किलो चांदी के जेवर

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नारायणगढ़ पुलिस ने चंद्रमुखी बालाजी मंदिर के सामने मनासा पिपलियामंडी रोड झार्ड़ा पर अंतर जिला चेकिंग पाईट लगाया हुआ है। जहां स्विफ्ट कार जीजे 06 पीए 0445 को रोका गया। कार चालक लालाराम पिता मिश्रीमल रावल जाति बलाई निवासी दुसरा फ्लोर 214 धनलक्ष्मी अपार्टमेंट, सरनमचार रास्ता के पास, वडोदरा गुजरात और कार सवार प्रकाश पिता शांतिलाल साल्वी निवासी ग्राम जिलोला थाना आमेट जिला राजसमंद राजस्थान से पूछताछ की गई। कार की तलाशी में गाड़ी की डिक्की में नौ बेग में चांदी के जेवरात मिले। कार सवार ने जेवर के संबंध मे बिल की पूछताछ पर कोई संतोषप्रद जवाब नही दिया। बाद मौके पर आवागमन चालु होने व सुरक्षा की दृष्टी से थाने आकर कुल 9 बैग मे कुल 95.67 किलो ग्राम चांदी (मय बारदान) कीमत करीबन 66 लाख 96 हजार 900 रुपये को विधिवत जप्त किया गया।

सीतामऊ पुलिस ने कार से पकड़े 20 लाख रुपए...

सीतामऊ पुलिस ने एक कार से 20 लाख रुपए नगद जप्त किए है। मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सीतामऊ पुलिस और एफएसटी की टीम ने रतलाम, मंदसौर की चंबल बार्डर पर एक कार एमपी 09 डब्ल्यूएच 2247 को रोककर तलाशी ली। जिसमें कार की डिक्की से 20 लाख रुपए नकद मिले। कार में सवार सुवासरा निवासी दिनेश सूर्यवंशी से रुपयों के बारे में पूछताछ की गई। मामले में जांच की जा रही है।

टोल शुल्क देने के बाद भी सुरक्षित नहीं वाहन चालक...

दो साल में 132 घायल, एक दर्जन मौतें

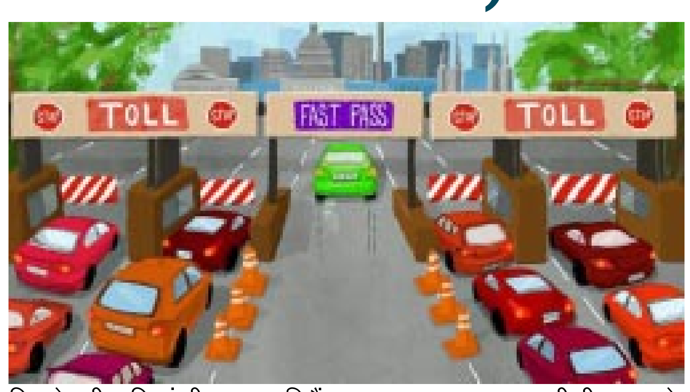

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतापगढ से मंदसौर जमालपुरा नाके तक 18 किमी सफर के लिए वाहन चालकों से 30 रुपए का टोल शुल्क लिया जाता है। अवलेश्वर फंटे पर टोल बूथ बना हुआ है। लेकिन, 18 किमी का टोल चुकाने के बाद भी वाहन चालक सुरक्षित नहीं हैं। करीब 2 साल में इस मार्ग पर सड़क दुर्घटना में 132 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं और 12 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवा दी है।

दो साल में तीन बार ग्रामीणों ने इस मार्ग पर प्रदर्शन भी किया है। लेकिन, सड़क की हालत नहीं सुधरी। सीसी सड़क के बीच बनी दरारों से वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। वहीं घटिया मटेरियल के कारण सड़क किनारे बनी नालियां भी उखड़ चुकी हैं।

लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर वाहन चलता हुआ सीधे सड़क से नीचे उतर कर खाई में पलट जाता है, जिसके चलते आए दिन यहां पर लोग सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं।

इसका मुख्य कारण सीसी सड़क के बीच दरारें पड़ना है। जिनमें बस, ट्रक, कार का पहिया जाते ही वाहन अनियंत्रित हो जाता है, जिसके चलते हादसे होते हैं। एमपी की सीमा से जुड़े राजस्थान के इस 18 किमी मार्ग के दाएं-बाएं नालियां बनाई गई हैं। ठेकेदार द्वारा नालियों में घटिया मटेरियल उपयोग करने के चलते नालियां भी पूरी तरीके से उखड़ गई हैं। कई बार लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होकर इन नालियों से टकराते हैं, जिसके चलते उनके वाहन अनियंत्रित होकर पलट जाते हैं।

टोल बूथ पर न एंबुलेंस न शौचालय की व्यवस्था...

ग्रामीणों के अनुसार अवलेश्वर फंटे पर संचालित टोल बूथ पर न तो एंबुलेंस की व्यवस्था है और न ही पीने के पानी और शौचालय की किसी प्रकार से व्यवस्था है। इसके चलते कई बार राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रात में यदि इस मार्ग पर सड़क हादसा हो जाए तो एंबुलेंस को आने में 10 से 15 मिनट लगते हैं, तब तक घायल सड़क पर तड़पता रहता है।

सट्टा अंक लिखते हुए 3 को पकड़ा

पिपलियामंडी, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। पुलिस ने सट्टा अंक लिखते हुए आरोपियों को पकड़ा। नाहरगढ़ पुलिस ने सट्टा अंक लिखते हुए नाहरगढ़ निवासी दिनेश पिता सोहनलाल घावरी, गोपाल पिता राधाकिशन तेली को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा। इसी तरह मल्हारगढ पुलिस ने बस स्टेण्ड के निकट सट्टा अंक लिखते मल्हारगढ़ निवासी साहिल पिता लतीफ मेव को पकड़ा। आरोपियों से नकदी व सट्टा उपकरण जब्त किए।

जमीन विवाद में पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। रतन पिपलिया निवासी रजनीश पिता बंशीलाल पाटीदार ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जमीन विवाद को लेकर कोर्ट में चल रहे प्रकरण को लेकर नाहरगढ़ निवासी युवराजसिंह मण्डलोई ने गाली-गलौज की लात-घुसों से पीटा। पुलिस ने युवराजसिंह पर केस दर्ज किया।

डकैती डालने की बना रहे थे योजना, पुलिस ने पांच बदमाशों को दबोचा

लाल मिर्च, देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, रस्सी और तलवार बरामद

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर थाना पुलिस ने डकैती की योजना बनाने वाले 5 आरोपियों को दबोचा है। इसके कब्जे से एक 12 बोर देशी कट्टा, जिंदा राउंड कारतूस, 2 लोहे की तलवार, 2 लट्ठ, लाल मिर्च के पैकेट, लोहे की कीले, कच्ची जहरीली शराब, रस्सी और एक स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया है।

पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक, चोरी, लूट, डकैती व संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए अधिकारियों के निर्देश पर वायडी नगर पुलिस ने थाना क्षेत्र के नीमच-महु हाइवे, पुलिया के नीचे दो अलग-अलग टीमों के साथ संयुक्त दबिश दी। मौके से पुलिस ने डकैती की योजना बनाते हुए मुल्तानपुरा निवासी पांच आरोपियों, शहजाद पिता अफजल मथारिया उम्र 21 वर्ष, टीपू पिता रशीद मथारिया उम्र 37 वर्ष, बाबू पिता रशीद मथारिया उम्र 40 वर्ष, आरिफ उर्फ हनी सिंह पिता सलीम गुटी उम्र 27 वर्ष, सोहेल पिता मुबारिक टांडिया उम्र 20 वर्ष को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से एक 12 बोर का देशी कट्टा मय जिन्दा राउंड कारतूस, 2 लोहे की धारदार तलवार, 2 लट्ठ, लाल मिर्च के पैकेट, लोहे की कीले और 5 लीटर कच्ची जहरीली शराब व एक स्कार्पियों कार बरामद किए। आरोपियों को खिलाफ आर्म्स एक्ट व अवैध शराब तस्करी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने अभिभावकों की जेब पर बढ़ाया बोझ

करोड़ो की कमाई का नया रास्ता निकाला, लेट फीस दो हजार बढ़ाई

मंदसौर, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल को हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षाओं से सालाना कमाई लगभग 300 करोड़ रुपए होने के बावजूद विभिन्न मदों की फीस बढ़ा दी गई है। इसका असर परीक्षा में शामिल होने वाले कई छात्रों पर पड़ेगा।

हालात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए कक्षा नौवीं के ऑनलाइन नामांकन की लेट फीस भी 30 नवंबर के बाद 12 हजार रुपए तक कर दी गई है। जबकि, इसकी नियमित फीस 1200 रुपए है। पिछले साल के मुकाबले लेट फीस में सीधे तौर पर 2000 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। यह पिछले साल 10 हजार रुपए थी। इसी तरह मंडल ने डुप्लीकेट मार्कशीट की फीस 400 से 600 रुपए कर दी है। माइग्रेशन फीस भी 300 से 500 तक कर दी गई है।

स्वाध्यायी विद्यार्थियो के लिए सबसे महंगा...

16 से 31 अक्टूबर तक 2000 रुपए लेट फीस के साथ स्वाध्यायी विद्यार्थियो के परीक्षा फॉर्म जमा होंगे। इस पर नियमित फीस 1200 रुपए लगेगी। 31 अक्टूबर के बाद 15 नवंबर तक लेट फीस 5 हजार रुपए लगेगी। 16 से 30 नवंबर तक लेट फीस 10 हजार रुपए लगेगी। 1 दिसंबर से परीक्षा शुरू होने की तारीख से दस दिन पहले तक विलंब शुल्क 12 हजार रुपए रहेगा।

श्री फूलमाली चोखरा पंचायत का 16 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन पिपलिया में होगा, बैठक सम्पन्न

पिपलियामंडी, 18 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री फूलमाली चोखरा पंचायत का 16 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 मई 2024 को टीलाखेड़ा पिपलिया में आयोजित किया जाएगा। तैयारियों को लेकर सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष भूपेंद्र महावर की अध्यक्षता में फूलमाली धर्मशाला में बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से सभी समाजजनों ने सर्व सहमति से सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों व कार्यकारणी सदस्यों का गठन किया। जिसमें समाज के लगभग 60 वरिष्ठजनों के नाम सम्मलित किए गए। साथ ही समिति के सचिव पद पर देवानंद उनियारा टिलाखेड़ा, कोषाध्यक्ष पद पर महेश राधाकिशन देवड़ा, पिपलियामंडी को मनोनीत किया। विभिन्न पदों पर लगभग 25 नाम सम्मलित किए। कार्यकारणी सदस्य के रूप में लगभग 50 सदस्यों को सम्मिलित किया। इस अवसर पर विवाह सम्मेलन हेतु वर, वधु पक्ष से 11000-11000 रुपए पंजीयन के रूप मे लेने व गृहस्थी बसाने के लिए विभिन्न सामग्री भी दी जाने का निर्णय लिया। समाजजनों ने 4 लाख रुपये राशि देने की घोषणाएं की व मौके पर दो जोड़ो का पंजीयन भी किया। सम्मेलन की तैयारियों व सफलता के लिए समाजजनों ने विचार रखे। संचालन देवानंद उनियारा ने किया। आभार श्री फूलमाली चोखरा पंचायत समिति अध्यक्ष मुकेश जादव ने माना।

एक बार फिर दिखी तेंदुए की मूवमेंट...

औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री के परिसर में घूमते हुए दिखाई दिया

रतलाम, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। तीन दिन पूर्व शहर के रेलवे कॉलोनी में घुसे तेंदुआ को पकडने में नाकामयाब वन विभाग टीम की एक और लापरवाही सामने आई है। लापता तेंदुए की मूवमेंट कल शाम (मंगलवार) को औद्योगिक क्षेत्र मे स्थित खेतान फैक्ट्री के परिसर में देखी गई।

फैक्ट्री मे मौजूद कर्मचारियों ने तेंदुए को परिसर में घूमते देखा। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया। इस बात की सूचना फौरन वन विभाग और पुलिस को दी गई। वन विभाग और पुलिस को सुचना देने पर भी उनका अमला मौके पर नहीं पंहुचा। तेंदुए के शहर मे घूमने की ख़बर से शहर में दहशत का माहौल अभी भी बरकरार है। तेंदुए के शहर मे घूमने की ख़बर से शहर में दहशत का माहौल अभी भी बरकरार है।

जानकारी के अनुसार उल्लेखनीय है कि रविवार दोपहर को रेलवे कालोनी में तेंदुए द्वारा एक व्यक्ति को घायल किए जाने के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। तेंदुए की खबर मिलने पर वन विभाग का अमला पिंजरे लेकर मौके पर पंहुचा था। वन विभाग द्वारा तेंदुआ पकडने के लिए उज्ञैन और इन्दौर से विशेष टीमे बुलाई गई थी, जो देर शाम को रतलाम पंहुच गई थी। ट्रैंक्युलाइजर गन लेकर रतलाम पंहुची इन्दौर और उज्ञैन की टीमें और रतलाम वन विभाग की टीमों ने संयुक्त रुप से रविवार की पूरी रात तेंदुए का सर्च आपरेशन चलाया, लेकिन तेंदुए की कोई खबर नहीं मिल पाई। वन मण्डलाधिकारी डीएस निगवाल स्वयं रात भर इस सर्चआपरेशन की मानिटरिंग करते रहे। लेकिन तेंदुए की कोई खबर नहीं मिल पाई। पूरी रात खोजने पर भी जब तेंदुआ नहीं मिला तो उज्ञैन और इंदौर से आई टीमें वापस लौट गई थी। अब तेंदुआ फिर नजर आ गया है ऐसे में यदि उसे जल्दी पकडा नहीं गया तो शहर पर खतरा बरकरार रहेगा।

मतदाता जागरूकता साइकिल रैली आज

नीमच, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में प्रस्तावित मतदाता जागरूकता साईकिल रैली अब आज 19 अक्टूबर 2023 को दोपहर 3:30 बजे कलेक्टर निवास से आयोजित होगी जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद ने बताया कि 18 अक्टूबर को प्रस्तावित साइकिल रैली अब पूर्व निर्धारित समय एवं स्थान से अब आज 19 अक्टूबर 2023 को आयोजित की जा रही है।

तलवार व छुरे के साथ 2 को पकड़ा

पिपलियामंडी, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। तलवार व छुरा लेकर आमजन को भयभीत करने वाले आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा। पिपलिया पुलिस ने थड़ोद कच्चे रास्ते पर नुकीले तलवार से आमजन को डरा रहे थड़ोद निवासी वीरेन्द्रसिंह पिता बहादूरसिंह राजपूत का व झोपड पट्टी में छुरा लेकर राहगीरों को डरा रहे दुर्गा चौक निवासी मुकेश पिता जगदीश माली को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया।

नम आंखों से उज्जैन पुलिस ने दी डाली को विदाई

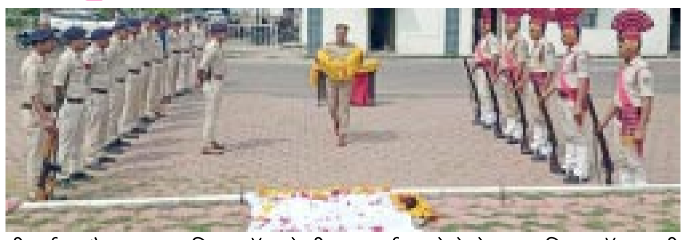

उज्जैन, 18 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। सालों उज्ञैन पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपराधों का खुलासा कर अपराधियों को पकडने में मदद करने वाली डाली ने अंतत: ह्दय रोग के आगे घुटने टेक दिए और मंगलवार को अंतिम सांस ली। 7 वर्ष 3 माह की छोटी सी उम्र में ही उसने सेवा की वो मिसाल पेश कि जो उज्ञैन पुलिस की जुबान पर है। मंगलवार को पुलिस डॉग डोली का 7 वर्ष 3 माह की उम्र में हृदय रोग से देहांत हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही एसपी सचिन शर्मा साथ ही अन्य वरिष्ठअधिकारियों ने जिला पुलिस लाईन पहुंचकर पुलिस डॉग को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुलिस लाईन में पुलिस डॉग को सशस्त्र गार्डों नें सलामी दी गई व मौन रखा। पुलिस डॉग डोली पिछले दो महीने से हृदय रोग से ग्रसित थी जिसका पहले उज्ञैन तथा बाद में इंदौर इलाज चला। मंगलवार को डोली की मृत्यु के पश्चात नियमानुसार उसका पोस्टमार्टम करा कर पुलिस लाइन परिसर में दफनाया गया। डाली की अंतिम विदाई के समय उपस्थित पुलिस स्टाफ की आंखे नम हो गई ,उसकी योग्यता और वफादारी को लेकर कई पुलिस कर्मी चर्चा करते देखे गए। पुलिस डॉग डाली का जन्म जुलाई 2016 में हुआ था। 6 माह की उम्र में ही वह पुलिस विभाग में दिसंबर 2016 में आ गई। हैदराबाद में ट्रेनिंग के पश्चात 2018 में उसने उज्ञैन जिला पुलिस बल को ज्वाइन किया था। पुलिस विभाग में डाली ने ट्रैकर के रूप में अपनी सेवाएं देते हुए अनेक चोरी एवं हत्या जैसे अन्य अपराधों को ट्रैक करने में पुलिस को सहयोग किया।

रॉ के अलर्ट के बाद जम्मू कश्मीर में शुरू हुई अवैध विदेशियों की पहचान

नईदिल्ली, 18 अक्टूबर। भारत की खुफिया एजेंसी की आतंरिक सुरक्षा चेतावानी के बाद पूरे भारत में विदेशियों को लेकर हलचल शुरू हो गई है। भारत की खुफिया एजेंसी की आतंरिक सुरक्षा चेतावानी के बाद पूरे भारत में विदेशियों को लेकर हलचल शुरू हो गई है। इसमें खास तौर पर नेपाली पासपोर्ट पर भारत आए चीनियों की पहचान शामिल है। राजस्थान पत्रिका ने 18 अक्टूबर के अंक में इस बात का खुलासा भी किया था कि किस तरह से चीनी नेपाली पासपोर्ट के माध्यम से भारत में घात लगा रहे हैं। चीनियों के साथ ही रोहिंग्या भी अब खुफिया एजेंसियों के निशाने पर हैं। इस संदर्भ में भारत के सबसे संवेदनशील राज्य ने कार्रवाई शुरू की है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को 1 जनवरी 2011 से केंद्र शासित प्रदेश में अवैध विदेशियों की पहचान करने के लिए एक पैनल का गठन किया। जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने जनवरी 2011 से अवैध रूप से/अधिक समय तक रहने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए वित्तीय आयुक्त/अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। यह पैनल जम्मू-कश्मीर में लापता विदेशियों की एक मासिक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे हर महीने की सात तारीख तक गृह मंत्रालय को सौंपेगा।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 21 अक्टूबर को शाम 5 से रात 8 बजे तक
रविवार 22 अक्टूबर को सुबह 9 से दोप. 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in